व्याख्यान संग्रह

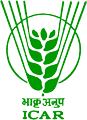
**राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम**

**“कृशिरत महिलाओं की क्षमता निर्माण”**

**(१७-२१ जनुअरी, २०१९)**





**भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुबनेश्वर- ७५१००३, ओडिशा**



**भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान**

**(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)**

**भुवनेश्वर -७५१००३, ओडिशा, भारत**

**ICAR-Central Institute for Women in Agriculture**

**(Indian Council of Agricultural Research)**

**Bhubaneswar -751003, Odisha, India**

**Phone no: (0674)-2387940,2387241**

**Fax: (0674) 2387242**

**E-mail: director.ciwa@icar.gov.in**

**व्याख्यान संग्रह**

**प्रशिक्षण कार्यक्रम  
“कृशिरत महिलाओं की क्षमता निर्माण”**

**(जनुअरी १७-२१, २०१९)**

**डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव, निदेशक**

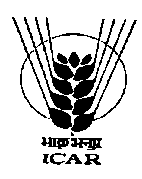
**भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर**

**पाठ्यक्रम मंडली**

**लक्ष्मी प्रिया साहु, पाठ्यक्रम समन्वयक**

**ज्योति नायक, पाठ्यक्रम समन्वयक**

**अंकिता साहू, पाठ्यक्रम समन्वयक**

**राज्य कृषि प्रबंध संस्थान**

**रहमानखेडा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश**

**द्वारा प्रायोजित**

**भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान,**

**भुबनेश्वर- ७५१००३, ओडिशा**

**व्याख्यान संग्रह**

कृशिरत महिलाओं की क्षमता निर्माण

© २०१९ भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर

लक्ष्मी प्रिया साहु

अंकिता साहू

ज्योति नायक

**द्वारा संकलित एबं संपादित**

**उद्धरण**

साहु, लक्ष्मी प्रिया, नायक ज्योति एबं साहु, अंकिता. २०१९. कृशिरत महिलाओं की क्षमता निर्माण. भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर, पृष्ठों का हिस्सा **१-११६**

**प्रकाशन**

डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव, निदेशक

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर

प्लॉट नंबर ५०-५१, मौजा-जोकालान्दी, पोस्ट - बरमुंडा,   
भुवनेश्वर-७५१००३ ओडिशा, भारत

**दूरभास: 0674-2387241; फैक्स : 0674-2387242**

**इ मेल : director.ciwa@icar.org.in  
वेबसाइट:** [**http://www.icar-ciwa.org.in**](http://www.icar-ciwa.org.in)

**मुद्रण**

**६२-६३, गंग नगर ए बी इमेजिंग एबं प्रिंट्स** प्रा लिमिटेड

यूनिट 6**,** भुवनेश्वर

**प्रस्तावना**

*कृषि ग्रामीण भारत में एक महत्वपूर्ण आजीविका का साधन है और हर राज्य में कृषि कार्य में महिलायों की योगदान पुरुष जितना एहम है । देश की हर क्षेत्र में कृषि उत्पादन और प्रथाओं के अलग होने की साथ साथ किसानों और कृषि महिला की भूमिका भी अलग होती हैं। इसलिए कृषि उत्पादकता बढाने के साथ कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी, भूमिका और उसीसे पैदा होने वाली मुद्दों या समस्यायों को समझना उतना ही महत्वपूर्ण हैं। तदनुसार कृषि विकास की प्रक्रिया में महिलाओं को भागीदार बनाने के लिए, कृषि क्षेत्र में उनकी भूमिका पर जानकारी को दर्ज करने के लिए, पारंपरिक तरीके से काम करने पर पैदा होने वाली कठिन परिश्रम और जोखिम को कम करने के लिए और कृषि उत्पादन से होने वाली फाईदे से महिल्लाओं की हिस्सा को निश्चित करने के लिए हर स्थर में पर्याप्त शोध और उपयुक्त निति की बहत जरुरत हैं । कृषि क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सशक्तिकरण और जेंडर को मुख्य धारा मैं लाने के लिए महिलाओं की क्षमता निर्माण की जरूरत है। हालांकि कठिन परिश्रम और जोखिम जो लाखों महिलाओं को प्रभावित करता है उसे कम करना सबसे बड़ी चुनौती है । सबसे महत्वपूर्ण है की कृषि सम्बंधित हर निर्णय लेने, कार्यक्रम तैयार करने और क्रियान्वयन में हर स्तर पर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना । महिलाओं का सशक्तिकरण अपने आप में न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भी कृषि उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा, और पोषण में सुधार लाने के लिए आवश्यक है। जेंडर का मुख्य धारा मैं सामिल होना दोनों उत्पादकता और अगली पीढ़ी के लिए विकासात्मक परिणामों में सुधार लाने के लिए बहुत आवश्यक उपकरण है। हम सभी को एक ठोस और टिकाऊ कृषि के लिए आज कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की दक्षता में सुधार के लिए प्रयास करना जरुरी हैं।*

*भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर मैं* ***१७-२१*** *जनुअरी,* २०१९ *के दौरान आयोजित वे प्रशिक्षण कार्यक्रम “कृशिरत महिलाओं की क्षमता निर्माण” में महिलाओं के लिए कृषि आधारित आजीविका के विकास, पोषण सुरक्षा के अलावा कठिन श्रम और वृत्तिक खतरों में कमी के लिए प्रौद्योगिकी और इसकी प्रसार प्रक्रिया के महत्व की व्यापक जानकारी देने की प्रयास की गई है। इस पाठ्यक्रम के सभी संकायों ने कोर्स की सफलता के लिए अपने ज्ञान, कौशल और अनुभव से बेहद योगदान दिया है। उनके योगदान से इसी क्षेत्र में वैज्ञानिक जानकारी की एक विशाल पूल को संकलित करने में मदद मिली है*

*प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को मंजूरी देने के लिए, पाठ्यक्रम मण्डली,**निदेशक, राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, रहमानखेडा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश**सरकार का बहत आभारी है। इस पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को नामांकित करने के लिए उत्तर प्रदेश**सरकार के कृषि निदेशकों का धन्यवाद करके वास्तव में हमें बहुत खुशी हो रही है। सभी प्रतिभागियों की प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में ईमानदारी और सक्रिय भागीदारी, के लिए उन की सराहना की जाती है।*

*डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के आयोजन के लिए सभी चरणों में पूरे दिल से समर्थन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान किया है। प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए पाठ्यक्रम मण्डली* *विशेषज्ञों के बहुत ऋणी है। आईसीएआर-सीआईडब्ल्यूए के सभी वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारियों के सहयोग को उचित रूप से स्वीकार किया गया है।*

***लक्ष्मी प्रिया साहु***

***ज्योति नायक***

***अंकिता साहू***

विषय-सूची

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **विषय और वक्ता का नाम** | **पृष्ठ सं.** |
| **१** | एकीकृत कृषि प्रणाली  *डॉ.शिवाजी अरगड़े* | **१** |
| **१** | कृषिरत महिलाओं को सशक्त बनाने में भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत कृशिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर की भूमिका  *डॉ. लक्ष्मीप्रिया साहु* | २-५ |
| **३** | भारत का ग्रामीण विकास में कृषि महिलाओं की भूमिका,  *डॉ स्मरणिका परिडा* | ६-९ |
| **४** | कृषिरत महिलाओं के लिए विकास योजनाएं,  *डॉ. अनंत सरकार, डॉ. जे. चार्ल्स जीवा* | १०-१५ |
| **५** | कृषिरत महिलाओं में व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिम एवं सुरक्षा,  *डॉ. ज्योति नायक* | १६-२२ |
| **६** | कृषिरत महिलाओं के खुशहाल जिंदगी के लिए कुशल परिवार संसाधन प्रबंधन  *कुमारी गायत्री महाराणा* | २३-२९ |
| **७** | कृषिरत महिलाओं के कठिन श्रम को कम करने के लिए उपलब्ध उपकरण और औजार  *चैत्रली श. म्हात्रे* | ३०-३६ |
| **८** | उचित गुणवत्ता वाली बीज के लिए कृषि रत महिलाओं  की पहुंच में सुधार कैसे लाए  *डॉ. लक्ष्मीप्रिया साहु* | ३७-४४ |
| **९** | कृशिरत महिलाओं के भागीदारी से फसल्लों की बीज उत्पादन: बिबीधता संरक्षण एबम बदलता  जलवायु उत्रूप्रेरित भेद्यता कम करने में कारगर,  *डॉ. लक्ष्मीप्रिया साहु,* | ४५-५० |
| **१०** | मुर्गीपालन के माध्यम से कृषिरत महिलायों की सशक्तिकरण*, अरुण कुमार पंडा* | ५१-५६ |
| **११** | मछलीपालन और प्रसंस्करण के माध्यम से कृषिरत महिला का सशक्तिकरण  *डॉ. तनुजा सोमराजन* | ५७-६० |
| **१२** | मुश्रूम उत्पादन के लिए जेंडर संवेदनशील दृष्टिकोण  *डॉ. साबित मिश्र* | ६१-६५ |
| **१३** | बागवानी में उद्यमिता विकास हेतु कृषिरत महिलाओं की क्षमता निर्माण  *श्रीमती अंकिता साहू* | ६६-७२ |
| **१४** | कृषिरत महिलाओं के अनुकूल जैव खेती और कीट प्रबंधन विकल्प  *डॉ. एस. के. श्रीवास्तव* | ७३-८२ |
| **१५** | पौष्टिक चारा उत्पादन द्वारा पशुपालन व्यवसाय लाभकारी बनायें, *डॉ. अनिल कुमार* | ८३-८७ |
| **१६** | पशुपालन /बकरीपालन: कृषिरत महिलओं के लिए रोजगार का एक बेहतरीन विकल्प,  *डॉ. बिश्वनाथ साहू* | ८८-९६ |
| **१७** | पारिवारिक खेती: महिलओं के पोषण सुरक्षा एवं आय  एक सफल उपाय  *डॉ. लिपि दस* | ९७-१०३ |
| **१८** | फलवाटिका में कठिनाईयों का उपचार  *श्री* *संजय कुमार बेहेरा* | १०४-१०७ |
| **१९** | बागवानी के माध्यम से महिला किसानों कि आजीविका में वृद्धी  *श्रीमती अंकिता साहू* | १०८-११२ |
| **२०** | रसोई उद्यान के माध्यम से पारिवारिक पोषण,  *श्री मनोरंजन पृष्टी* | ११३-११६ |